आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 09.02.2026 समय : 1905

<><><><><><><>

1. परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के नौवें संस्करण में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने परीक्षा के दबाव से निपटने और संतुलित जीवन शैली के लिए छात्रों को प्रेरित किया।

2. भारत ने सेशेल्स के लिए साढ़े सत्रह करोड़ डॉलर के विशेष आर्थिक पैकेज की घोषणा की।

3. प्रमुख शिक्षाविद, वैज्ञानिक और नवोदित स्टार्टअप प्रतिनिधियों ने डॉ भीम राव अम्बेडकर प्रौद्योगिकी संस्थान में ए आई के नैतिक और जिम्मेदार उपयोग पर विचार साझा किए।

4. कार निकोबार में सम्पूर्णता अभियान 2.0 का औपचारिक शुभारंभ हुआ। उपायुक्त ने स्वास्थ्य,शिक्षा और पोषण के क्षेत्रों में विभागीय समन्वयों पर बल दिया।

<><><><><><><>

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकप्रिय संवाद कार्यक्रम 'परीक्षा पे चर्चा' के 9वें संस्करण के दौरान विद्यार्थियों से बातचीत की। आज जारी किए गए इसके दूसरे वीडियो में उन्होंने परीक्षा के दौरान तनाव और चिंता से निपटने के तरीकों पर बातचीत की। प्रधानमंत्री ने जिम्मेदारी के महत्व पर जोर देते हुए विद्यार्थियों से बुनियादी नियमों जैसे कि कूड़ा न फैलाना, सड़कों पर नहीं थूकना, यातायात नियमों का पालन करना और भोजन की बर्बादी से बचना आदि का पालन करने का आग्रह किया। 'वोकल फॉर लोकल' के लिए भारतीय उत्पादों का चयन घरेलू अर्थव्यवस्था को मजबूत करता है। उन्होंने 'वेड इन इंडिया' अभियान का भी जिक्र किया, जो विदेश के बजाय देश में ही शादी करने के लिए प्रोत्साहित करता है। श्री मोदी ने कहा कि नागरिकों द्वारा उठाया गया हर छोटा कदम 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में योगदान देता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ए आई से डरने की कोई आवश्यकता नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को इस पर निर्भर होने के बजाय इसका बुद्धिमानी से उपयोग करना चाहिए। उन्होंने प्रौद्योगिकी को एक शक्तिशाली शिक्षक बताया और विद्यार्थियों को जागरूकता तथा जिम्मेदारी के साथ इसे अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने अभिभावकों को घर में प्रतिस्पर्धा का माहौल न बनाने की सलाह दी और विद्यार्थियों से कहा कि वे अनुचित तुलना से बचें और आत्म–सुधार पर ध्यान केंद्रित करें।

<><><><><><><>

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सेशेल्स के लिए 17 करोड़ 50 लाख डॉलर के विशेष आर्थिक पैकेज की घोषणा की है। नई दिल्ली में सेशेल्स के राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक एरमीनी से मुलाकात के बाद संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में श्री मोदी ने कहा कि यह पैकेज सामाजिक आवास, ई–मोबिलिटी, व्यावसायिक प्रशिक्षण, स्वास्थ्य, रक्षा और समुद्री सुरक्षा में सहयोग प्रदान देगा। भारत और सेशेल्स ने स्वास्थ्य, मौसम विज्ञान, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी तथा सुशासन सहित विभिन्न क्षेत्रों में 7 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं। इन समझौतों में भारतीय मौसम विज्ञान विभाग और सेशेल्स मौसम विज्ञान प्राधिकरण के बीच तकनीकी और वैज्ञानिक सहयोग शामिल है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और सेशेल्स न केवल भूगोल से बल्कि इतिहास, विश्वास और भविष्य के लिए साझा दृष्टिकोण से भी जुड़े हुए हैं। प्रधानमंत्री ने सेशेल्स के सिविल सेवकों के भारत में प्रशिक्षण के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने पर खुशी व्यक्त की है। यह यात्रा दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर हो रही है। हिंद महासागर क्षेत्र में सेशेल्स भारत का एक महत्वपूर्ण समुद्री पड़ोसी है।

<><><><><><><>

डॉ. बी.आर. आंबेडकर प्रौद्योगिकी संस्थान में इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के प्रायोजन से राज्य स्तरीय कार्यक्रम "एआई इम्पैक्ट प्री–समिट 2026" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम समन्वयक एवं वरिष्ठ व्याख्याता डॉ. मनु वशिष्ठ ने उपस्थित जनसमूह का स्वागत करने के बाद एआई इम्पैक्ट प्री–समिट के उद्देश्यों की संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के निदेशक एवं वैज्ञानिक–जी डॉ. अपारूप दास रहे। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न सत्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विविध क्षेत्रों में प्रभाव पर विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम में प्रथम वक्ता के रूप में प्रोफेसर (डॉ.) मंसाफ आलम ने शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए रोचक जानकारियां प्रस्तुत की। इसके बाद नितीश सिंह ने भारत जेन और ए आई के उपयोग पर अपने विचार साझा किए। दोपहर सत्र में कैलाश एस ने ई–शासन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रयोग पर व्याख्यान दिया, जबकि प्रोफेसर (डॉ.) एम. के. दत्ता ने भी अपने विचार रखे। आकाशवाणी समाचार से बात करते हुए संस्थान की प्राधानाचार्या डॉ सनमुख कौर ने कहा कि यह कार्यक्रम हर वर्ग के व्यक्तियों को लाभान्वित करेगा।

इसके साथ ही कॉलेज की एक छात्र ने इस कार्यक्रम की सरहाना करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम व्यावहारिक उपयोगों को समझने में सहायता करेगा।

<><><><><><><><>

नीति आयोग द्वारा शुरू किए गए निकोबार ज़िला के अंतर्गत आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के तहत संपूर्णता अभियान 2.0 का शुभारंभ आज सुबह पेरका ग्राम स्थित सामुदायिक भवन में किया गया। यह अभियान 14 अप्रैल तक जारी रहेगा। इस कार्यक्रम में विभागीय समन्वय, बेहतर सेवा प्रदान करना तथा जमीनी स्तर पर प्रभावी परिणामों पर विशेष बल दिया गया है। कार्यक्रम का उद्घाटन निकोबार ज़िले के उपायुक्त अमित काले द्वारा ग्राम कप्तानों, विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं ग्रामीणों की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा मधुमेह, रक्तचाप एवं क्षय रोग जांच शिविर भी आयोजित किए गए।

<><><><><><><><>